भारतीय वन सेवा के परीवीक्षाधीन अधिकारियों का संस्थान में अध्ययन दौरा

दिनांक 30/05/2024 को राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में भारतीय वन सेवा के 15 परीवीक्षाधीन अधिकारियों का अध्ययन दौरा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत अधिकारियों को संस्थान में चल रही अनुसंधान गतिविधियों विशेषकर बाघ गणना, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन, वृक्षारोपण मूल्यांकन एवं अनुश्रवण, बीज उत्पादन क्षेत्र, सेम्प्ल प्लॉट, प्रिजरवेशन प्लॉट, लाख कीट संरक्षण, धन वृक्षों का चयन, औषधीय पौधों एवं अकाष्ठीय वन उत्पाद, सतत् विदोहन आदि के संबंध में संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एस.के. तिवारी द्वारा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जानकारी प्रदान की गई। संस्थान के उप संचालक एवं विभागाध्यक्ष श्री रवीन्द्र मणि त्रिपाठी ने अपने अभिभाषण में अधिकारियों को उनकी वन सेवा के दौरान उपयोगी विषय जैसे पर्यावरणीय समस्याओं का निदान, वृक्षारोपण कार्यक्रमों के सफल आयोजन, मृदा की महत्ता, कार्बन संचयन एवं तेन्दुपत्ता संग्रहण आदि विषयों पर अपने विचार व्यक्त किये। लाख कीट संरक्षण एवं जीन बैंक में वैज्ञानिक, डॉ. अनिरूद्ध मजूमदार ने कुसुमी एवं रंगीनी लाख के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की एवं वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी डॉ. उदय होमकर ने जैव विविधता संरक्षण एवं संस्थान के संग्रहालय के विषय में जानकारी प्रदान की। परीवीक्षाधीन अधिकारियों ने भी संस्थान की अनुसंधान गतिवधियों के विषय में जिज्ञासा व्यक्त की एवं भविष्य में संस्थान के सहयोग से म.प्र. वानिकी के कार्यों को उच्च दिशा प्रदान की जा सकेगी। इस अवसर पर संस्थान के समस्त वैज्ञानिक, वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी एवं अन्य सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

बाघ की गणना के साथ कुसुमी एवं रंगीनी लाख की मिली जानकारी

भारतीय वन सेवा के परीवीक्षाधीन अधिकारियों का संस्थान में अध्ययन दौरा

जबलपुर , यशभारत। कुसमी रंगीली लाख कैसे होती है बाघों की गणना क्या है कब से शुरू हुई और उसका महत्व क्या है साथ ही वन परी क्षेत्र में औषधीय पौधे की केयर कैसे की जाती है। राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में भारतीय वन सेवा के 15 परीवीक्षाधीन अधिकारियों का अध्ययन दौरा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत अधिकारियों को संस्थान में चल रही अनुसंधान गतिविधियों विशेषकर बाघ गणना, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन, वृक्षारोपण मूल्यांकन एवं अनुश्रवण, बीज उत्पादन क्षत्र, सेम्पल प्लॉट, प्रिजरवेशन प्लॉट, लाख कीट संरक्षण, धन वृक्षों का चयन, औषधीय पौधों एवं अकाष्ठीय वन उत्पाद, सतत् विदोहन आदि के संबंध में संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एस. के. तिवारी द्वारा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जानकारी प्रदान की गई। संस्थान के उप संचालक एवं विभागाध्यक्ष रवीन्द्र मणि त्रिपाठी ने अपने अभिभाषण में अधिकारियों को उनकी वन सेवा के दौरान उपयोगी विषय जैसे पर्यावरणीय समस्याओं का निदान, वृक्षारोपण कार्यक्रमों के सफल आयोजन, मृदा की महत्ता, कार्बन सचयन एवं तेन्दुपत्ता संग्रहण आदि विषयों पर अपने विचार व्यक्त किये। लाख कीट संरक्षण एवं जीन बैंक में वैज्ञानिक, डॉ. अनिरूद्ध मजूमदार ने कुसुमी एवं रंगीनी लाख के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की एवं वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी डॉ. उदय होमकर ने जैव विविधता संरक्षण एवं संस्थान के संग्रहालय के विषय में जानकारी प्रदान की। परीवीक्षाधीन अधिकारियों ने भी संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों के विषय में जिज्ञासा व्यक्त की एवं भविष्य में संस्थान के सहयोग से म.प्र. वानिकी के कार्यों को उच्च दिशा प्रदान की जा सकेगी। इस अवसर पर संस्थान के समस्त वैज्ञानिक, वरिष्ठ अनुसधान अधिकारी एवं अन्य सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जबलपुर, शुक्रवार 31 मई 2024 10

आईएफएस के परिवीक्षाधीन अफसर एसएफआरआई में ले रहे ट्रेनिंग

विशेषज्ञों ने बताया कैसे की जाती है बाघगणना

पीयूष्स संवाददाता ● जबलपुर
मो.नं. 9713230229

राज्य वन अनुसंधान संस्थान में भारतीय वन सेवा के 15 परिवीक्षाधीन अधिकारियों का अध्ययन दौरा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत अधिकारियों को संस्थान में चल रही अनुसंधान गतिविधियों विशेषकर बाघ गणना, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन, वृक्षारोपण मूल्यांकन एवं अनुश्रवण, बीज उत्पादन क्षेत्र, सेम्पल प्लॉट, प्रिजरवेशन प्लॉट, लाख कीट संरक्षण, धन वृक्षों का चयन, औषधीय पौधों एवं अकाष्ठीय वन उत्पाद, सतत विदोहन आदि के संबंध में संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एसके तिवारी द्वारा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जानकारी प्रदान की गई।

संस्थान के उप संचालक एवं विभागाध्यक्ष रवीन्द्र मणि त्रिपाठी ने अपने अभिभाषण में अधिकारियों को उनकी वन सेवा के दौरान उपयोगी विषय जैसे पर्यावरणीय समस्याओं का निदान, वृक्षारोपण कार्यक्रमों के सफल आयोजन, मृदु की महत्ता, कार्बन संचयन एवं तेन्दुपत्ता संग्रहण आदि विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। लाख कीट संरक्षण एवं जीन बैंक में वैज्ञानिक, डॉ. अनिरूद्ध मजूमदार ने कुसुमी एवं रंगीनी लाख के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की एवं वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी डॉ. उदय होमकर ने जैव विविधता संरक्षण एवं संस्थान के संग्रहालय के विषय में जानकारी प्रदान की। परीवीक्षाधीन अधिकारियों ने भी संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों के विषय में जिज्ञासा व्यक्त की एवं भविष्य में संस्थान के सहयोग से मप्र वानिकी के कार्यों को उच्च दिशा प्रदान की जा सकेगी।